मा युङ्क्ष्व दिव्यान्य् अस्त्राणि· 4) dirigere, attendere, intendere, applicare, colligere *cogitationem, mentem, animum* (aut expresso aut omisso animi nomine). BH. 6.10.: युञ्जीत ... आत्मानम् (Schol. युञ्जीत समाहितङ् कुर्यात्); 12.: योगं युञ्ज्यात् cogitationem, animi collectionem intendat; 15.: युञ्जन् आत्मानम् colligens, intendens animum (Schol. समाहितङ् कुर्वन्)· युक्त intentus meditationi, defixus in meditatione. BH. 6. 14. 5) cogitare. SA. 5.6.: तम् मुहूर्तङ् क्षणम् वेलान् दिवसञ्च युयोज ह· — *Pass.* 1) jungi, conjungi, instrui; alligari (v. supra). 2) *cum loc.* convenire, congruere, aptum, idoneum esse *alicui rei.* BH. 17.26.: प्रशस्ते कर्मणि तथा सच् छब्दः पार्थ युज्यते; RAGH. 18.41.: शब्दो महाराज इति ... तस्मिन् युयुजे; SA. 3. 10.: न मद्विधे युज्यति वाक्यम् ईदृशम् (metri causâ termin. *P.*). युक्त conveniens, aptus, idoneus. SA. 3.12. 4.7. H. 2.29. 3) *c. dat.* se dedere, applicare *alicui rei.* BH. 2.38.: युद्धाय युज्यस्व; 50.: योगाय युज्यस्व· — *In dial. Vêd.* युज् *etiam cl. 1mam sequitur, e.c.* RIGV. 82.1. (Cf. यु; lat. *jungo, conjux, jugum*; gr. ΖΥΓ, ζεύγνυμι, ζυγόν, ζυγός; lith. *jungiu* jugum impono, *junga-s* jugum; slav. *igo*, v. युग. Huc etiam traxerim goth. *liuga* nubeo, *liugaith* nubet = योजयति (v. युज् cl. 10. et gr. comp. 109[a]). 6.) mutatâ semivocali य् in *l*, v. यकृत्, servatâ mediâ contra generalem legem, sicut e. c. in *BUG* = 1. भुज्.)

c. अनु 1) interrogare. MAN. 8.79.: साक्षिणः ... अनुयुञ्जीत; 8.259.: इमान् अप्य् अनुयुञ्जीत (साक्षिणः); RAGH. 5.18.: किम् वस्तु विद्वन् गुरवे प्रदेयम् ... इति तम् अन्वयुङ्क्त· 2) jubere. MAH. 4.105.: यद् यद् भर्ता 'नुयुञ्जीत तत् तद् एवा 'नुवर्तयेत्·

c. अभि 1) *i. q. simpl.* sgf. 3. अभियुक्त in cogitatione defixus. BH. 9.22. 2) aggredi, impugnare, offendere, conturbare, perturbare. R. Schl. II. 10.27.: केना 'भियुक्ता 'सि केन वा 'सि विमानिता; MAN. 8.50.183. *V.* अभियोग, अभियोक्तृ·

c. आ jungere *equos*. MAH. 1.7948.: तुरगान् केचिद् आयुञ्जन्·

c. आ praef. सम् conjungere. N. 25.8.: दमयन्त्या समायुङ्क्तम्·

c. उत् उद्युक्त excitatus. R. Schl. I. 1.: शूर्पणखावाक्याद् उद्युक्तान् सर्वराक्षसान्· — *Caus.* excitare. MAH. 5.70.: बलान्य् उद्योजयन्तु नः·

c. उप *ATM.* 1) jungere *equos*. RIGV. 39.6.: उपो रथेषु पृषतीर् अयुग्ध्वम् (pro अयुङ्ग्ध्वम्) «vehiculis maculatas cervas junxistis». 2) sibi adjungere *alqm.* DR. 4. 19.: न वै प्राज्ञा गतश्रीकम् भर्तारम् उपयुञ्जते । युञ्जानम् उपयुञ्जीत न श्रियः प्रक्षये वसेत्· 3) sibi assumere, suum facere *alqd.* MAN. 8.40.: दातव्यं सर्ववर्णेभ्यो राज्ञा चौरैर् हृतन् धनम् । राजा तद् उपयुञ्जानस् चौरस्या 'प्नोति किल्बिषम्· 4) adhibere, uti. MAH. 3.12739.: यच्चै 'व द्रव्यम् उपयुज्यते; RAGH. 8.21.: गुणान् षड् उपायुङ्क्त· उपयुक्त utilis. HIT. 98.14. 5) convertere, impendere, collocare. MAH. 2.1223.: इच्छामि तत् सर्वम् (धनम्) ... उपयोक्तुन् द्विजाग्र्येभ्यो हव्यवाहे च· 6) consumere, edere. MAH. 1.702.: भैक्ष्यन् नो 'पयोक्तव्यम्; 709.: नै 'तन् न्याय्यम् पय उपयोक्तुम्; 3.57.: अन्नानि उपयोक्ष्यामहे वयम्· *Etiam P.* MAH. 3.6221.: उपयोक्ष्यति; 12410.: उपयोक्ष्यामि·

c. नि 1) alligare. R. Schl. I. 13.31.: नियुक्तास् तत्र पशवः· 2) coërcere. R. Schl. I. 2.92.: चतुर्वर्ण्यञ्च लोके ऽस्मिन् स्वे स्वे धर्मे नियोक्ष्यति· 3) ponere, collocare. IN. 5.42.: गुरुस्थाने न माम् वीर नियोक्तुन् त्वम् इहा 'र्हसि; BR. 2.14.: कथम् ... इमाम् बालाम् अनागसम् पितृपैतामहे मार्गे नियोक्तुम् अहम् उत्सहे· 4) adhibere, uti, praeficer, *c. loc. rei.* MAN. 1.28.: यन् तु कर्मणि यस्मिन् स न्ययुङ्क्त प्रथमम् प्रभुः; 7.62.: नियुञ्जीत शूरान् ... शुचीन् आकरकर्मान्ते भीरून् अन्तर्निवेशने; 8.9.: नियुञ्ज्याद् ब्राह्मणम् विद्वांसङ् कार्यदर्शने; R. Schl. I. 1.92. 5) mandare, jubere. N. 18.15.: नियोक्ष्ये ऽहं सुदेवम्· R. Schl. I. 54.